संपादकीय

पड़ोस में पृथ्वी जैसे ग्रह पर जीवन संभव

बाहरी ग्रह खोजने वाले नासा के टेस टेलीस्कोप ने तीन नए ग्रहों का पता लगाया है और वैज्ञानिकों के अनुसार इनमें हमारी पहली समीपवर्ती 'सुपर-अर्थ' शामिल है। यह पृथ्वी जैसा ग्रह आवास योग्य हो सकता है। इस सुपर-अर्थ का नाम जीजे357-डी है जो 31 प्रकाश वर्ष दूर एक तारे का चक्क र काट रही है। यह ग्रह अपने तारे के आवास योग्य क्षेत्र में स्थित है। इसका अर्थ यह हुआ कि यह अपने तारे के बहुत नजदीक नहीं है और उससे बहुत दूर भी नहीं है। यदि यह तारे के नजदीक होता तो बहुत गर्म होता और बहुत दूर होने पर बहुत ठंडा होता।

इस क्षेत्र में ग्रह की सतह पर तरल जल का मौजूद होना संभव है बशर्ते वह ग्रह चट्टानी हो। जीजे357-डी का वायुमंडल कितना घना है और वह तरल जल की मौजूदगी के लिए कितना गर्म है, इसका पता लगाने के लिए अभी और रिसर्च की आवश्यकता है। जर्मनी में हाइडलबर्ग स्थित मैक्स प्लांक इंस्टीट्यूट ऑफ एस्ट्रोनॉमी की खगोल वैज्ञानिक डायना कोस्साकोवस्की का कहना है कि जीजे357-डी अपने तारे के आवास योग्य क्षेत्र के बाहरी छोर पर स्थित है और यह अपने तारे से उतनी ही ऊर्जा प्राप्त करता है, जितनी कि मंगल सूरज से प्राप्त करता है। उन्होंने कहा कि यदि इस ग्रह का वायुमंडल घना है तो वह ग्रह को गर्म रखने के लिए समुचित ऊष्मा संचयित कर सकता है। इससे सतह पर तरल जल की मौजूदगी सुगम हो जाएगी।

अमेरिका में कॉर्नेल यूनिवर्सिटी के खगोल वैज्ञानिक लीसा काल्टेनेगर का मानना है कि इस ग्रह पर जीवन संभव है। उन्होंने कहा कि यह सचमुच रोमांचक बात है कि टेस टेलीस्कोप ने हमारे पड़ोस में एक ऐसी सुपर-अर्थ खोजी है जो जीवनधारी हो सकती है। घने वायुमंडल वाला यह ग्रह पृथ्वी की भांति अपनी सतह पर पानी को रोक सकता है। काल्टेनेगर ने कहा कि निर्माणाधीन नए टेलीस्कोपों की मदद से हम वहां जीवन के संकेत भी ग्रहण कर सकते हैं। जीजे357-डी हर 55.7 दिन में अपने तारे की परिक्रमा करता है और अपने तारे से इसकी दूरी सूरज से पृथ्वी की दूरी की करीब 20 प्रतिशत है।टेस टेलीस्कोप द्वारा खोजे गए तीनों ग्रह जीजे357 नामक तारे की परिक्रमा कर रहे हैं। यह एम श्रेणी का बौना तारा है जो हमारे सूरज की तुलना में 40 प्रतिशत ठंडा है तथा द्रव्यमान व आकार की दृष्टि से उसका एक-तिहाई है। टेस टेलीस्कोप ने गत फरवरी में यह पता लगाया कि यह तारा हर 3.9 दिन बाद मंदा पड़ जाता है। यह इस बात का संकेत था कि ग्रह इस तारे की परिक्रमा कर रहे हैं। इनमें सबसे नजदीकी ग्रह, जीजे357-बी पृथ्वी से करीब 22 प्रतिशत बड़ा है। वैज्ञानिकों ने इसे 'गर्म पृथ्वी' बताया है। गर्म होने के कारण इस पर जीवन होना नामुमकिन है लेकिन नजदीकी चट्टानी ग्रह होने के कारण खगोल वैज्ञानिक इसके वायुमंडल की संरचना का अध्ययन अवश्य करना चाहेंगे। इस सिस्टम के मझोले ग्रह, जीजे357-सी का द्रव्यमान पृथ्वी से 3.4 गुणा अधिक है और यह अपने तारे की परिक्रमा 9.1 दिन में पूरी करता है।

आयुष्मान भारत 2.0 में कैंसर की बीमारी के लिए बेहतर कवर

नई दिल्ली। कैंसर की बीमारी से जूझ रहे मरीजों को अब आयुष्मान भारत योजना के तहत बेहतर हेल्थ कवर मिल सकेगा । योजना के तहत कैंसर का इलाज दवा की खुराक के आधार पर होगा न कि कैंसर के प्रकार के आधार पर। नई हेल्थ इंश्योरेंस स्कीम के तहत बेहद गरीब परिवारों के लिए करीब 200 अतिरिक्त पैकेजेस जोड़े जाएंगे, जिनमें कार्डियॉलजी और हड्डी रोगों से जुड़े बेहतर चॉलिटी के इम्प्लांट शामिल हैं। इस फ्लैगशिप प्रोग्राम को लागू करने वाली नोडल एजेंसी नैशनल हेल्थ अथॉरिटी(ह्म) के गवर्निंग बोर्ड ने बुधवार को आयुष्मान

2.0 को मंजूरी दे दी। यह मंजूरी कैंसर के इलाज के क्षेत्र में एक बड़ा कदम है। आयुष्मान भारत ने कैंसर केयर के मामले में खुद को टाटा मेमोरियल अस्पताल के नैशनल कैंसर ग्रिड के साथ खड़ा कर दिया है। अब तक अस्पतालों द्वारा मुहैया कराया जाने वाला कैंसर इलाज इस बात पर निर्भर करता था कि कौन-सा कैंसर है। यानी कैंसर कहां है, लंग्स में या पैनक्रियास में? बहरहाल, अब कैंसर केयर प्रिस्क्राइब की गई दवाओं के आधार पर की जाएगी। टाटा मेमोरिल अस्पताल द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले प्रोटोकॉल्स अब सभी स्वास्थ्य सेवा केंद्रों के पास होंगे। ईटी को एक सूत्र ने बताया, च्अब तक कैंसर केयर पैकेजेस का उतना इस्तेमाल नहीं हो पा रहा था, जितना हम चाहते थे, लेकिन अब सब बदल जाएगा।ज गवर्निंग बोर्ड के अप्रूवल के बाद अब पैकेजेस में बदलाव किए जाएंगे और आईटी प्लैटफॉर्म पर अपलोड कर दिए जाएंगे। आयुष्मान 2.0 की शुरुआत 1 अक्टूबर से होनी है।

अब आयुष्मान भारत के तहत बेहतर इम्प्लांट्स की सुविधा मिलेगी। अब तक प्राइवेट अस्पतालों को घटुनों के रिप्लेसमेंट और स्टेंट आदि लगाने जैसी किसी भी इम्प्लांट सर्जरी के लिए के एकमुश्त रकम रीइम्बर्स की जाती थी। अब पैकेज में सर्जरी और इम्प्लांट, दोनों का खर्च अलग से मेंशन होगा। इसके जरिए मरीज को पहले बेहतर इम्प्लांट सुविधा मिल सकेगी।

सूत्र ने आगे बताया, इससे यह भी सुनिश्चित किया जा सकेगा कि अस्पताल कहीं सस्ता इम्प्लांट कर पूरे पैकेज की कीमत तो नहीं वसूल रहे। हेल्थकेयर में बदलाव की पूरी प्रक्रिया नीति आयोग के सदस्य प्रफेसर विनोद के पॉल की अगुवाई वाली एक्सपर्ट कमिटी ने पूरी की। इस कमिटी का गठन आयु।अमान भारत के तहत कवर किए जाने वाले 1300 पैकेजेस की समीक्षा के लिए किया गया था। कमिटी ने उन पैकेजेस की समीक्षा की, जो मरीजों और आयुष्मान लाभार्थियों के इलाज के बदले केंद्र द्वारा अस्पतालों का रीइम्बर्समेंट अमांउट तय करते थे। सितंबर 2018 में आयुष्मान भारत के लॉन्च के बाद से अस्पताल और मेडिकल प्रैक्टिशनर्स इसकी लगातार मांग कर रहे थे।

इस समीक्षा के बाद जो सबसे अहम बात निकल कर आई है, वह है आयुष्मान भारत के तहत 200 नए पैकेजेस की शुरुआत। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, आयुष्मान भारत के तहत कई पैकेजेस नहीं थे। इनके लिए अस्पताल मनमाना रीइम्बर्समेंट क्लेम करते थे। समीक्षा प्रक्रिया के तहत ऐसे पैकेजेस का पता लगाया गया, जो अकसर इस्तेमाल किए जा रहे थे और उन्हें आयुमान के तहत लाया गया।

कमजोर मांग से कच्चे तेल का वायदा भाव टूटा

नई दिल्ली। हाजिर बाजार की कमजोर मांग के बीच मौजूदा स्तर पर सटोरियों की मुनाफावसूली से बृहस्पतिवार को कच्चे तेल का वायदा भाव 0.17 प्रतिशत टूटकर 4,000 रुपये प्रति बैरल पर आ गया। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज में कच्चे तेल का सितंबर आपूर्ति का अनुबंध सात रुपये या 0.17 प्रतिशत की गिरावट के साथ 4,000 रुपये प्रति बैरल रह गया। इसमें 22,608 लॉट का कारोबार हुआ। इसी तरह कच्चे तेल का अक्टूबर आपूर्ति वाला अनुबंध 11 रुपये या 0.27 प्रतिशत के नुकसान से 4,010 रुपये प्रति बैरल पर आ गया। इसमें 643 लॉट का कारोबार हुआ। विश्लेषकों ने कहा कि घरेलू बाजार में कमजोर रुख के बीच कच्चे तेल के वायदा भाव में भी गिरावट आई।

वेस्ट इंडीज दौरे पर भारतीय खिलाड़ियों को मिली थी फैमिली क्लॉज में राहत

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने टीम इंडिया के खिलाड़ियों को वेस्ट इंडीज दौरे पर फैमिली क्लॉज में थोड़ी राहत दी थी। हमारे सहयोगी अखबार टाइम्स ऑफ इंडिया को मिली जानकारी के मुताबिक, जुलाई में वर्ल्ड कप खत्म होने के बाद खिलाड़ियों को पूरे वेस्ट इंडीज दौरे पर परिवार को साथ रखने की इजाजत दी गई थी। हमने महसूस किया

कि खिलाड़ी वर्ल्ड कप के दौरान एक तनाव भरे वक्त से गुजरे। इसके फौरन बाद वेस्ट इंडीज का दौरा शुरू हो गया। ऐसे में खिलाड़ियों को परिवार को साथ रखने की इजाजत देना जरूरी था। वेस्ट इंडीज दौरे के फौरन बाद लंबा और व्यस्त घरेलू सीजन शुरू हो रहा है और देश में परिवार के साथ सफर करना थोड़ा मुश्किल होता है। बीसीसीआई ने सुप्रीम कोर्ट द्वारा नियुक्त की गई प्रशासकों की समिति (सीओए), मुख्य कोच और कप्तान के साथ मिलकर नियम बनाया था जिसमें खिलाड़ी विदेशी दौरे पर एक निश्चित समय तक ही परिवार को साथ रख सकते हैं। इस नियम के मुताबिक, लंबे दौरे पर परिवार शुरुआती 20 दिनों में टीम के साथ नहीं रह सकता और वह पूरे दौरे पर वह कुल मिलाकर अधिक से अधिक 21 दिन ही साथ रह सकता है।

टीम के एक सीनियर सदस्य ने वर्ल्ड कप की शुरुआत से ही परिवार को साथ रखने की इजाजत मांगी थी जिसे सीओए ने नकार दिया था लेकिन इसके बावजूद उसने इस नियम की अवहेलना की थी।

ट्रंप ने चीनी वस्तुओं पर आयात शुल्क लगाने का समय 15 दिन के लिये बढ़ाया

वाशिंगटन । अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चीन से आयातित वस्तुओं पर शुल्क लगाये जाने के प्रस्ताव को 15 दिन के लिये टाल दिया है। ट्रंप ने बुधवार की रात कहा कि उन्होंने 250 अरब डालर मूल्य के चीनी सामान पर एक अक्टूबर से आयात शुल्क बढ़ाने का प्रस्ताव किया था। इस समयसीमा को बढ़ाकर 15 अक्टूबर किया जाता है। राष्ट्रपति ने ट्विटर पर लिखा, ''चीन के उप-प्रधानमंत्री लिऊ ही के आग्रह और चीन के एक अक्टूबर को 70वीं वर्षगांठ मनाये जाने को देखते हुए हमने 250 अरब डॉलर मूल्य के आयातित सामान पर शुल्क 25 प्रतिशत से बढ़ाकर 30 प्रतिशत करने के प्रस्ताव को एक अक्टूबर के बजाए 15 अक्टूबर से लागू करने का निर्णय किया है।'' उन्होंने इसे चीन के प्रति सौहार्दपूर्ण रख करार दिया है।

बातचीत के लिये चीन के वरिष्ठ अधिकारी अक्टूबर की शुरूआत में यहां पहुंचेंगे। पिछले वर्ष से दोनों देश व्यापक व्यापार सौदे पर काम कर रहे हैं। इससे न केवल व्यापार संतुलन की समस्या दूर होगी बल्कि बौद्धिक संपदा की चोरी और चीन में अमेरिकी कंपनियों को दबाये जाने की समस्या का भी समाधान होगा।

भारत ए ने दक्षिण अफ्रीका ए को सात विकेट से हराया

तिरुवनंतपुरम। भारत ए ने गुरुवार को यहां पहले अनौपचारिक टेस्ट के अंतिम दिन सुबह साउथ अफ्रीका ए को आसानी से सात विकेट से शिकस्त देकर दो मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त हासिल की।

मुंबई के ऑलराउंडर शिवम दुबे ने लगातार गेंद में दो छक्के जड़कर मेजबानों की जीत सुनिश्चित की। महज 48 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत ए ने दूसरी पारी में कप्तान शुभमन गिल (05), अंकित बावने (06) और के एस भरत (05) के रूप में विकेट गंवा दिए लेकिन दुबे (नाबाद 12) और रिकी भुई (नाबाद 20) ने घरेलू टीम के लिए औपचारिकता पूरी की। साउथ अफ्रीका ए के तेज गेंदबाज लुंगी एनगिडी ने पहली पारी में 90 रन बनाने वाले गिल को बोल्ड किया जिससे भारत ए ने

10 रन पर पहला विकेट गंवा दिया। बावने 17 गेंद खेलने के बाद एनगिडी को विकेट दे बैठे जबकि भरत को ऑफ स्पिनर दाने पिएट ने पविलियन भेजा। दुबे ने पिएट की लगातार गेंदों पर दो गगनचुंबी छक्के जड़कर टीम को जीत दिलाई।

साउथ अफ्रीका ए ने दूसरी पारी में नौ विकेट पर 179 रन से खेलना शुरू किया और टीम 186 रन पर सिमट गई। मेजबानों को जीत हासिल करने में केवल 3.5 ओवर लगे। शार्दुल ठाकुर ने लुथो सिपमाला को आठ रन पर बोल्ड किया जिससे उन्होंने 31 रन देकर दो विकेट हासिल किये।

विप्रो के बायबैक में अजीम प्रेमजी ने बेचे 7,300 करोड़ के शेयर, परोपकार में लगेगा पैसा

बेंगलुरु । अजीम प्रेमजी और विप्रो लिमिटेड के प्रमोटर ग्रुप ने देश की चौथी बड़ी आईटी सर्विसेज कंपनी के बायबैक प्रोग्राम में 7,300 करोड़ से अधिक के शेयर बेचे ताकि वह वादे के मुताबिक अपनी ज्यादातर कमाई परोपकार के कामों पर खर्च कर सकें। देश में परोपकार के लिए संपत्ति दान करने के मामले में प्रेमजी से आगे कोई नहीं है। इतना ही नहीं, वह इस मामले में एशिया में सबसे आगे और दुनिया में पांचवें नंबर पर हैं। कंपनी के संस्थापक चेयरमैन और उनके नियंत्रण वाली कंपनियों ने हालिया शेयर बायबैक प्रोग्राम में 22.46 करोड़ शेयर बेचे। यह कंपनी में 3.96 प्रतिशत की हिस्सेदारी है। मार्च में प्रेमजी ने विप्रो में 67 प्रतिशत शेयरों से होने वाली सारी आमदनी अजीम प्रेमजी फाउंडेशन को देने की घोषणा की थी। उस वक्त इसकी वैल्यू 1,45,000 करोड़ यानी 21 अरब डॉलर लगाई गई थी। प्रेमजी फाउंडेशन चैरिटेबल ट्रस्ट है, जो सरकार के साथ मिलकर कई राज्यों में प्राथमिक शिक्षा की चॉलिटी बेहतर बनाने के लिए काम कर रही है। प्रेमजी फाउंडेशन के चीफ एंडॉमेंट

ऑफिसर के आर लक्ष्मीनारायण ने बताया, 'प्रेमजी ने ट्रस्ट को जो भी पैसा देने का वादा किया है, वह परोपकार के लिए है। यह पैसा एक फंड में जाता है।'

प्रेमजी परिवार और उनसे जुड़ी कंपनियों के पास विप्रो के 73.83 प्रतिशत शेयर हैं। शेयर बायबैक के बाद प्रमोटर ग्रुप की होल्डिंग कंपनी में बढ़कर 74.05 प्रतिशत हो जाएगी। असल में बायबैक में कंपनियां जो शेयर खरीदती हैं, उन्हें रद्द कर दिया जाता है। इससे निवेशकों की कंपनी में हिस्सेदारी बढ़ती है।

वेंचर फिलैंथ्रफी फंड दासरा के सह-संस्थापक देवल सांघवी ने बताया, 'एशिया में परोपकार के लिए दान करने वालों में प्रेमजी और उनके ट्रस्ट सबसे आगे हैं। वह पोषण, घरेलू हिंसा रोकने, मीडिया की आजादी और शिक्षा जैसे क्षेत्रों में मदद कर रहे हैं।' बेन ऐंड कंपनी की इस साल की इंडियन फिलैंथ्रफी रिपोर्ट में बताया गया था कि अगर प्रेमजी के दान को हटा दें तो 2014 के बाद से भारत में 10 करोड़ और उससे अधिक के दान में 4 प्रतिशत की गिरावट आई है।

आज का राशिफल

मेष- अप्रत्याशित लाभ के योग हैं। जुए-सट्टे से दूर रहें। नौकरी में प्रमोशन मिल सकता है। कारोबार में वृद्धि होगी। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। किसी बड़ी समस्या का हल होगा।

वृष- चिंता तथा तनाव में वृद्धि होगी। लाभ के अवसर टलेंगे। कोई अप्रत्याशित खर्च सामने आएगा। कर्ज लेना पड़ सकता है। पुराना रोग परेशानी का कारण बन सकता है।

मिथुन- बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा मनोनुकूल रहेगी। नए काम मिलेंगे। समय की अनुकूलता का लाभ लें। आय में वृद्धि होगी। कारोबार अच्छा चलेगा। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा।

कर्क- शारीरिक कष्ट से बाधा संभव है। लापरवाही न करें। सुख के साधनों पर व्यय होगा। प्रसन्नता बनी रहेगी। नई योजना बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा।

सिंह- जीवनसाथी की तरफ से चिंता का वातावरण बनेगा। शारीरिक कष्ट की आशंका है। यात्रा सफल रहेगी। पूजा-पाठ में मन लगेगा। सत्संग का लाभ मिलेगा।

कन्या- कुसंगति से हानि होगी। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। किसी व्यक्ति से बड़े विवाद की आशंका है। वाणी पर नियंत्रण रखें। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें।

तुला- लेन-देन में जल्दबाजी से बचें। चोट व रोग से हानि की आशंका है। कानूनी अड़चन दूर होकर स्थिति अनुकूल बनेगी। जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा।

वृश्चिक- किसी अनहोनी की आशंका रहेगी। शत्रु नतमस्तक रहेंगे। भूमि व भवन संबंधी लाभदायक योजना बनेगी। कारोबार से बड़ा मुनाफा हो सकता है। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे।

धनु- पार्टी व पिकनिक का आनंद मिल सकता है। विद्यार्थी वर्ग अपने कार्य लगन से कर पाएगा। अध्ययन में मन लगेगा। संगीत व चित्रकारी आदि रचनात्मक कार्यों में रुचि रहेगी।

मकर- लेन-देन में जल्दबाजी न करें। किसी से अकारण विवाद हो सकता है। हृदय को ठेस पहुंच सकती है। दुःखद समाचार मिलने की आशंका है। पुराना रोग उभर सकता है।

कुंभ- व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। मेहनत का फल प्राप्त होगा। धन प्राप्ति सुगम होगी। मित्रों तथा रिश्तेदारों की सहायता करने का अवसर प्राप्त होगा। घर-बाहर पूछ-परख रहेगी।

मीन- राजभय रहेगा। जल्दबाजी तथा विवाद करने से बचें। दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। घर में मेहमानों का आवागमन रहेगा। किसी मांगलिक कार्य का आयोजन हो सकता है।

आलू पेटीज बनाने की विधि...

सामग्री :

2 कप मैदा, 2 चम्मच घी, चौथाई चम्मच बेकिंग पावडर, आधा चम्मच नमक, आटा मिलाने के लिए एक से डेढ़ कप पानी, तलने के लिए तेल, भरने के लिए आलू व मटर, आवश्यकतानुसार नमक,, 1 चम्मच लालमिर्च, 1/2 चम्मच जीरा, 1/2 चम्मच पिसा धनिया, 1/2 चम्मच अमचूर, 2 हरीमिर्च, हरा धनिया सजाने के लिए ।

विधि :

मैदा छानकर उसमें बेकिंग पावडर, घी, नमक और पानी मिलाकर रोटी जैसा पतला गूँथ लें। 15-20 मिनट तक उसे रख दें। आलुओं को उबाकर छीलकर मसल लें। मटर उबाल कर, मसलकर आलुओं में मिला दें।स्वादानुसार नमक, लालमिर्च, अमचूर मिला लें। पेटीज में भरने का मसाला तैयार है।पेटीज बनाने के लिए तैयार आटे की लोइयाँ बनाकर चकले पर थोड़ा मैदा लगाकर बेल लें। इसके ऊपर एक चम्मच घी लगाकर इसको लंबाई में काट लें। अब इसके ऊपर एक चम्मच घी लगाकर इसको लंबाई में काट लें। अब इसके जो 3-4 पीस काटकर उनको एक के ऊपर एक लगाइए। ऐसे 7 बार कीजिए।तीसरी व चौथी परत के बीच में आलू-मटर मसाला रखें और चारों ओर से हल्का-सा दबा दें।इसी तरह अन्य पेटीज बनाकर रख लें। फिर इन्हें तल लें या मक्खन लगाकर बेक कर लें और तैयार पेटीज को हरी चटनी और इमली की चटनी के साथ सर्व करें।

शब्द सामर्थ्य- 84

बाएं से दाएं

1. जीत, फतेह 3. राशन सामान बेचने वाली एक जाति, वैश्य 6. मुर्गी की जाति की एक पक्षी, आधा... आधा बटेर 7. कमल, पंकज, भारत के एक दिवंगत प्रधानमंत्री का नाम 8. नहाने का स्थान, स्नानागार 10. ख्वाब, स्वप्न 12. बुलावा, निमंत्रण 14. तबाही, बर्बादी 17. कत्ल, वध 18. क्षतिपूर्ति, मुआवजा 19. करार, चैन, आराम 21. दृष्टि, निगाह 23. नाश करने योग्य 24. लाडला, प्यारा 25. सीताजी, जनकनंदनी।

ऊपर से नीचे

1. शादी, ब्याह 2. अनाथ, निराश्रित 3. साल, वर्ष 4. दोस्ताना, यारी 5. सुर, देव, भगवान 9. मनुष्य, इंसान, आदमी 11. पाटा जाना, चुकता करना, बात तय करना 12. कार्यक्षेत्र, गोल घेरा, वृत्त 13. अधीनता, मातहती, अधिकार 15. नगर 16. गैरजरूरी 20. दृष्टांत, सुपुर्दगी, उदाहरण 22. धरती, भूतल, धरातल।

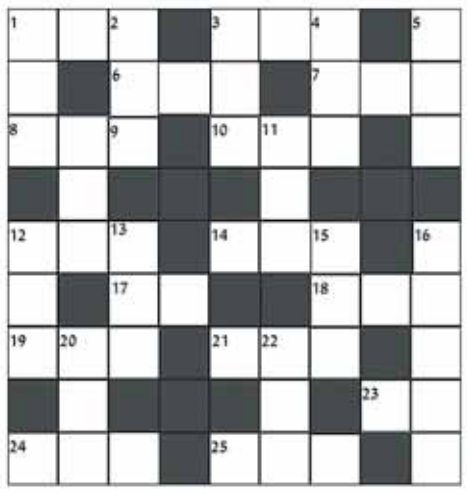

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 83 का हल

अं	त	■	म	री	ज	■	■	■
ग	ह	न	ता	■	ब	र	ब	स
■	की	■	धि	क्का	र	■	र	मा
■	का	■	का	■	द	वा	खा	ना
प	त	वा	र	■	स्त	र	■	■
ह	■	■	■	■	■	दा	मि	नी
ना	■	ए	ह	ति	या	त	■	लां
वा	च	क	■	हा	■	■	खू	ब
■	■	ता	ब	ड़	तो	ड़	■	र

सू-दोकू- 84

	9		1	6		2		7
3								
		6					9	
7			5		1		3	
	8			9		6		2
		4					7	
	3				2	9		6
6		7	3					4
	4			1		7	8	

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.83का हल

2	6	3	9	8	7	1	5	4
8	5	1	3	2	4	6	7	9
9	4	7	1	5	6	8	2	3
3	9	8	6	7	1	5	4	2
6	1	2	5	4	3	9	8	7
5	7	4	8	9	2	3	1	6
1	2	6	7	3	5	4	9	8
4	8	5	2	6	9	7	3	1
7	3	9	4	1	8	2	6	5